

प्रदेश सरकार प्राइमरी के अध्यापकन क डिजिटल अटेंडेंस पर फिलहाल रोकि लगा दिहले हौ। बेसिक शिक्षा विभाग कि ओरि से डिजिटल हाजिरी क आदेस जारी कइल गइल रहल अउर शिक्षक संगठनन की ओरि से लगतारे ऐह आदेस क विरोध कइल जात रहल। अध्यापकन क डिजिटल हाजिरी पर दुई महिन्ना खातिर रोकि लगावल गइल हौ। विवाद क हल निकरले ले ई रोकि जारी रही। ऐह मामिला में मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह के अध्यक्षता में आजु शिक्षक संगठनन के साथे बइठकी भइल। एकरे बादि ऐह पर रोकि लगावे क फइसिला लिहल गइल। विवाद क हल निकारे बदे कमेटी क गठन कइल गइल हौ। प्रदेश क बेसिक अध्यापकन के डिजिटल हाजिरी क मामिला में ई कमेटी सज्जों पक्ष के साथे बइठकी करी।

राजधानी लखनऊ क कुकरैल नदी के किनारे बसल पंतनगर, खुर्रमनगर, रहीमनगर अउर अबरारनगर इलाकन क लोगिन के अतिक्रमण विरोध कार्यवाई से फिलहाल राहत मिलति नजर आ रहलि हौ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ फरिया के कहले हवे कि यह क्षेत्रन मे बनल निजी मकानन के गिरावे क सरकार क कउनो इरादा नइखे। उहां के कहलीं के प्रदेश सरकार यह क्षेत्र क नागरिकन के भरोसा देति हौ कि उनकर मकान नाही गिरावल जइहे अउर जो त रिवरबेड में कउनो निजी जमीन में बनल मकान आवेला जेकर प्रमाण मकान मालिक देइ त ओके नियम के हिसाबि से मवाजा देके ही अधिग्रहित कइल जाइ। उहां के कहलीं की निजी मकानन पर निसानदेही करे वाले लोगिन क जबाबदेही तय कइल जाई अउर फलड जोन क चिहनीकरण करे क निरदेस नियमानुसार हो बाकिर यह क्षेत्र के खाली करावे क न त यह समय में जरूरी हौ अउर न ही अइसन कउनो प्रस्ताव हौ। हाले में कुकरैल रिवर फ्रंट बनावे बदे अकबरनगर में अतिक्रमण हटावल गइले के बादि सिंचाई विभाग क टीम यह इलाकन में सर्वे कइ के मकानन पर लाल निसान लगवले रहल। यह निसानन के हटवलहू क निरदेस दिहल गइल हौ। मुख्यमंत्री से आजु यह इलाकन क लोगि भेंटि कइलें।

प्रदेश में बाढ़ क कहर लगतारे जारी हौ। सतरह जिलन क चउदह लाख से बेसी आबादी बाढि के चपेटा मे हौ एकरे सथहीं करीब डेढ़ लाख हेक्टेयर खेती क जमीन बाढि के पानी में डूबल हौ। तराई क जिलन के अलावे पूर्वांचल, अवध अउर रूहेलखण्ड क इलाकों बाढि क मारि झेलि रहल हौ। हरदोई अउर शहजहांपुर जिलन में ओइजा क नदी उफान पर हौ अउर सहरी इलाको बाढि से प्रभावित हौ राहत आयुक्त कार्यालय से मिलल जनकारी के हिसाबि से बाढ़ प्रभावित क्षेत्रन में पनरह कंपनी एनडीआरएफ, सोलह कंपनी एसडीआरएफ अउर बत्तीस कंपनी पीएसी फलड बटालियन तैनात कइल गइल हौ। पीलीभीत, बलरामपुर, हरदोई जिलन से हमारे प्रतिनिधि जनकारी दिहले हवे कि प्रसासन की ओरि से बाढ़ प्रभावित क्षेत्रन में लगतारे राहत सामग्री क वितरण गइल जा रहल हौ। बलरामपुर में राप्ती नदी क जल स्तर में कमी दरज कइल गइल हौ। ओही कानपुर में गंगा नदी क जलस्तर बढ़ि रहलि हौ अउर प्रसासन लगतारे नजर रखले हौ।

बनारस में गंगा नदी क जलस्तर में लगतारे बढ़ोत्तरी हो रहलि हौ। बाढि क खतरा के देखि के गंगा नदी में छोट नावन क संचालन पूरा तरह से बंद कै दिहल गइल हौ। तेज बहाव के नाते नाविकन के गंगा आरती के समय आपन नाव दशाश्वमेध घाट पर न लगावे क हिदायत दिहल गइल हौ। बढ़हन नावन के खाली पचास फिसदी यात्री बइठा के चलले क अनुमति हौ अउर संज्ञा के गंगा आरती पूरा भइले के बादि कउनो नाव गंगा नदी मे नाही चलावल जाई। गंगा नदी क जलस्तर बढ़ले से दुइ घाटन का संपर्क टूटि गइल हौ।

मिर्जापुर में केन्द्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल आजु विन्ध्यवासिनी देवी तीर्थ स्थल आ अउरियो महत्वपूर्ण स्थानीय तीर्थ स्थलन के पर्यटन विकास क छौ योजना क सिलान्यास कइलीं। ओन्नइस करोड़ से बेसि क यह परियोजनन क आर्ट गैलरी, आरती मंच आ अउरियो पर्यटन सुविधा क निर्माण सामिल हौ।

प्रदेश में बीस जुलाई के साढ़े छत्तीस करोड़ पौधा क रोपण कइ के रेकार्ड बनावे क तइयारी कइल जा रहल हौ। यह बेरि के अभियान में सहजन क पचपन लाख पौधा रोपित कइल जाइ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ निरदेस दिहले हवे कि हर आंगनबाडी केन्द्र अउर प्रधानमंत्री आवास योजना क लाभार्थियन के अकांक्षी जिलन क रहवइयन के सहजन क पौधा बांटल जाई।

प्रदेश में मोहर्रम क तिउहार बिहने मनावल जाई। यह सिलसिला में सज्जो जिलन में प्रसासन सतर्क हौ अउर संवेदनशील जगहिनि पर अतिरिक्त पुलिस बलन क तैनाती कइल गइल हौ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ साफ निरदेस दिहले हवें कि मोहर्रम के दौरान कउनो परम्पराविरुद्ध कार न होखे अउर केहू के अराजकता फइलवले क इजाजति नाहीं दीहल जाई। गोरखपुर, अम्बेडकरनगर के सथहीं कई जिलन क प्रतिनिधि जनकारी दिहले हवें कि प्रसासन मोहर्रम क जलूस निकरले क राहि तय कइ दिहले हौ अउर ड्रोन कैमरन के जरिये पूरा राहि क निगरानी कइल जाई। गोरखपुर में कई जगहि पर राहि में परिवरतन कइल गइल हौ अउर संवेदनशील जगहिनि पर वीडियोग्राफी करवले के सथहीं सीनियर अधिकारियन क ड्यूटियो लगावल गइल हौ।
